Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Workshop on 'NEP 2020 Implementation and National Curriculum Framework: NCrF, IKS, Mulya Pravah'

Newspaper: Amar Ujala **Date: 13-05-2023**

कार्यक्रम

विभिन्न विश्वविद्यालय के कुलपतियों ने क्रियान्वयन के विभिन्न पहुलओं पर किया विमर्श

एनईपी का लक्ष्य विद्यार्थियों में क्षमताओं का विकास करना : कोठारी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन व राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा पर मंथन के लिए शुक्रवार को कार्यक्रम आयोजित हुआ।

'एनईपी 2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा : नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आयोजन में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी कार्यशाला के मुख्य अतिथि व हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. केसी शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति रहे, जबकि अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल हुए।

कार्यशाला का उद्घाटन करते अतुल कोठारी, साथ में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। संवाद

विश्वविद्यालय के लघु सभागार में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत व दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को आए तीन साल का समय होने जा रहा है और इसका उद्देश्य पाठ्यक्रम में बदलाव, विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीक से अवगत करा ग्लोबल सिटीजन बनाना और भारतीयता के भाव से परिचित कराना है। इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह के सफलतम क्रियान्वयन के लिए प्रयास जारी हैं।

उन्होंने कहा कि आज के समय पढ़ाई विद्यार्थी केंद्रित नहीं बल्कि अध्ययन केंद्रित है और एनईपी का उद्देश्य विद्यार्थियों में क्षमताओं का विकास कर उन्हें ज्ञान परंपरा से अवगत कराना है। आयोजन में सम्मिलित मुख्य अतिथि अतुल कोठारी ने अपने संबोधन में कहा कि यह तीसरी शिक्षा नीति है और इसका मूल उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है जो कि विचार, बद्धिमत्ता और कार्य व्यवहार से भारतीय हों। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की बात करती है, जिसके लिए प्राचीन भारतीय परंपरा में वर्णित ज्ञान को अध्ययन के लिए उपलब्ध कराना होगा। वेदों से लेकर भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा प्रस्तुत विचार भारतीय ज्ञान की श्रेणी में आते हैं। हमें चाहिए कि ऐसी शिक्षा नीति हो जिससे समृद्ध, शक्तिशाली व सम्पन्न भारत का निर्माण हो।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. केसी शर्मा ने कहा कि यह भारत की तीसरी शिक्षा नीति है जो लगभग 34 वर्षों के बाद आई है। इसके क्रियान्वयन को लेकर अक्सर अनुदान की अनुपलब्धता का उल्लेख किया जाता है जबकि असल में शिक्षा नीति में वर्णित 80 से 85 फीसदी अनुशंसाएं ऐसी हैं जिनके लिए अनुदान की आवश्यकता नहीं है।

आयोजन के दूसरे सत्र में भारतीय ज्ञान परंपरा पर विमर्श हुआ, जिसमें श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. राज नेहरू ने ऑनलाइन माध्यम से अपनी बात रखी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 13-05-2023**

एनईपी का लक्ष्य है नागरिकों को विचार, बौद्धिकता व कार्य व्यवहार से भारतीय बनाना : अतुल कोठारी

महेंद्रगढ़ | हकेवि में शुक्रवार को 'एनईपी 2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा: नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला हुई। इसमें शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी मुख्य अतिथि व हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद् के उपाध्यक्ष प्रो. के.सी. शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति को आए तीन साल का समय होने जा रहा है और इसका उद्देश्य पाठ्यक्रम में बदलाव, विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीक से अवगत करा ग्लोबल सिटीजन बनाना और भारतीयता के भाव से परिचित कराना है। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने प्रतिभागियों से कराया और बताया कि किस तरह से अतुल कोठारी शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहे हैं। प्रो. के.सी. शर्मा ने कहा कि शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को लेकर अक्सर अनुदान की अनुपलब्धता का उल्लेख किया जाता है जबकि शिक्षा नीति में वर्णित 80 से 85 फीसद अनुशंसाएं ऐसी हैं जिनके लिए अनुदान की आवश्यक नहीं है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 13-05-2023**

एनईपी का लक्ष्य है नागरिकों को वैचारिक और बौद्धिक बनाना : अतुल कोठारी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को एक दिनी कार्यशाला का आयोजन किया गया

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन व राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा पर विमर्श हेतु शुक्रवार को 'एनईपी 2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा: नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नालेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी मुख्य अतिथि व हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. केसी शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को आए तीन साल का समय होने जा रहा है और इसका उद्देश्य पाठ्यक्रम में बदलाव, विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीक से अवगत करा ग्लोबल सिटीजन बनाना और भारतीयता के भाव से परिचित कराना है। इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह के सफलतम क्रियान्वयन के लिए प्रयास जारी हैं।

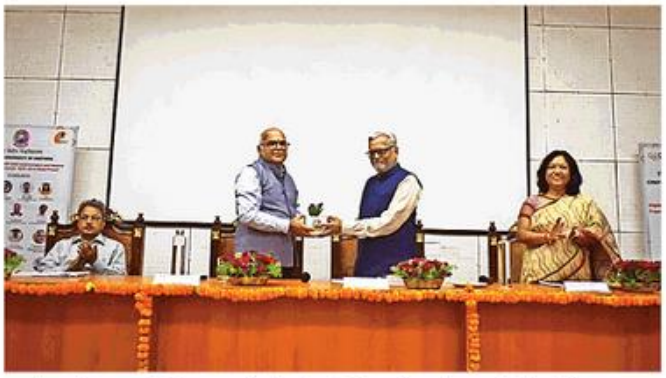

कार्यशाला में मुख्य अतिथि अतुल कोठारी को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. हकेंवि प्रवक्ता।

मुख्य अतिथि अतुल कोठारी ने कहा कि यह तीसरी शिक्षा नीति है और इसका मूल उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है जो कि विचार, बुद्धिमत्ता और कार्य व्यवहार से भारतीय हों। शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की बात करती है, जिसके लिए प्राचीन भारतीय परंपरा में वर्णित ज्ञान को अध्ययन के लिए उपलब्ध कराना होगा। वेदों से लेकर भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा प्रस्तुत विचार भारतीय ज्ञान की श्रेणी में आते हैं। आज के समय में देश-दुनिया में उपस्थित विभिन्न चुनौतियों का समाधान भारतीय ज्ञान से ही संभव है। इसी क्रम में मूल्यों व कौशल की शिक्षा भी महत्वपूर्ण है। इस पर शिक्षा नीति में विशेष रूप से जोर दिया गया है और कौशल विकास के सहारे ही आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि किस तरह से अतुल कोठारी शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहे हैं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. केसी शर्मा ने कहा कि यह भारत की तीसरी शिक्षा नीति है जो लगभग 34 वर्षों के बाद आई है। इसके क्रियान्वयन को लेकर अवसर अनुदान की अनुपलब्धता का उल्लेख किया जाता है, जबकि शिक्षा नीति में वर्णित 80 से 85 प्रतिशत अनुशंसाएं ऐसी हैं, जिनके लिए अनुदान की आवश्यक नहीं है। दूसरे सत्र में भारतीय ज्ञान परम्परा पर विमर्श हुआ, जिसमें श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. राज नेहरू ने आनलाइन माध्यम से अपनी बात रखी। इसी क्रम में नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क और मूल्य प्रवाह पर केंद्रित सत्रों का आयोजन भी हुआ।

इसमें प्रो. अजमेर सिंह मलिक, कुलपति, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, डा. रणपाल सिंह, कुलपति, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, प्रो. जेपी यादव, कुलपति इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलपति, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, प्रो. रमन्ना रेड्डी, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान और डा. आरके अनायत, कुलपति, दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने अपने विचार व्यक्त किए। समापन सत्र में प्रो. नंद किशोर ने कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मंच का संचालन डा. रेनु यादव व डा. नीरज कर्ण सिंह ने किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 13-05-2023**

CUH Organised one day workshop on NEP-2020

Deepti Arora
info@impressivetimes.com

PROF. TANKESHWAR KUMAR SAID THAT THE NATIONAL EDUCATION POLICY-2020 IS GOING TO BE THREE YEARS OLD AND ITS PURPOSE IS TO CHANGE THE CURRICULUM, MAKE STUDENTS AWARE OF STATE-OF-THE-ART TECHNOLOGY, MAKE GLOBAL CITIZENS AND INTRODUCE THEM TO THE SPIRIT OF INDIANNESS.

MAHENDERGARH: To discuss the implementation of National Education Policy (NEP) and National Curriculum Framework at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, a one-day workshop was organised on 'NEP-2020 Implementation and National Curriculum Framework: NCrF, IKS and Mulya Pravah' on Friday. The Chief Guest of the program was Mr. Atul Kothari, National Secretary of Education Culture Upliftment Trust; the Vice President of Haryana State Higher Education Council, Prof. K. C. Sharma was present as the guest of honour while the program was presided over by Vice Chancellor of Central University of Haryana, Prof. Tankeshwar Kumar and the Pro Vice Chancellor of the University Prof. Sushma Yadav along with the Vice Chancellors of various Universities of the state made a dignified presence. Prof. Tankeshwar Kumar said that the National Education Policy-2020 is going to be three years old and its purpose is to change the curriculum, make students aware of state-of-the-art technology, make global citizens and introduce them to the spirit of Indianness. To achieve this objective, efforts are on for successful implementation of National Credit Framework, Indian Knowledge System and Mulya Pravah Welcoming all the associate Vice-chancellors as well as the chief guest and guest of honour, he said that in today's time, education is not student-centered but learning-centered and the aim of NEP is to develop capabilities in students and make them aware of Indian knowledge tradition.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 13-05-2023**

एन.ई.पी. का लक्ष्य है नागरिकों को विचार, बौद्धिकता व कार्य व्यवहार से भारतीय बनाना: अतुल कोठारी

कार्यशाला का उद्घाटन करते अतुल कोठारी, साथ में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य अतिथिगण तथा (दाएं) मुख्यातिथि को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति। (मोहन)

महेंद्रगढ़, 12 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) के कार्यान्वयन व राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा पर विमर्श हेतु शुक्रवार को 'एन.ई.पी. 2020 कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा: नैशनल क्रैडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आयोजन में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी मुख्यातिथि व हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. के.सी. शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को आए 3 साल का समय होने जा रहा है और इसका उद्देश्य पाठ्यक्रम में बदलाव, विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीक से अवगत करा ग्लोबल सिटीजन बनाना और भारतीयता के भाव से परिचित कराना है। इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए नैशनल क्रैडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉलेज सिस्टम और मूल्य प्रवाह के सफलतम क्रियान्वयन के लिए प्रयास जारी हैं।

मुख्यातिथि अतुल कोठारी ने अपने संबोधन में कहा कि यह तीसरी शिक्षा नीति है और इसका मूल उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है जो कि विचार, बुद्धिमता और कार्य व्यवहार से भारतीय हों। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की बात करती है, जिसके लिए प्राचीन भारतीय परम्परा में वर्णित ज्ञान को अध्ययन के लिए उपलब्ध कराना होगा।

वेदों से लेकर भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा प्रस्तुत विचार भारतीय ज्ञान की श्रेणी में आते हैं। आज के समय में देश-दुनिया में उपस्थित विभिन्न चुनौतियों का समाधान भारतीय ज्ञान से ही संभव है।

शिक्षा नीति में वर्णित 80 से 85 फीसदी अनुशंसाएं ऐसी हैं जिनके लिए अनुदान की आवश्यकता नहीं है

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. के.सी. शर्मा ने कहा कि शिक्षा नीति में वर्णित 80 से 85 फीसदी अनुशंसाएं ऐसी हैं जिनके लिए अनुदान की आवश्यकता नहीं है। पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया इस नीति के क्रियान्वयन हेतु महत्वपूर्ण है और भारतीय ज्ञान परम्परा का अध्ययन करने पर हम इस नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित कर सकते हैं। नई शिक्षा नीति बुद्धि के विकास के साथ-साथ कौशल सम्पन्नता का भी उल्लेख करती है।

आयोजन के दूसरे सत्र में भारतीय ज्ञान परम्परा पर विमर्श हुआ, जिसमें श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. राज नेहरू ने ऑनलाइन माध्यम से अपनी बात रखी। इसमें प्रो. अजमेर सिंह मलिक, कुलपति, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय; डॉ. रणपाल सिंह, कुलपति, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय; प्रो. जे.पी. यादव, कुलपति इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय; प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलपति, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय; प्रो. रमन्ना रैड्डी, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान और डॉ. आर.के. अनायत, कुलपति, दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने अपने विचार व्यक्त किए।